the roller flour mills to purchase the wheat to the extent possible. Connected facilities in the matter of transport and bank credit were extended to the mills.

घटिया बीजों की पूर्ति के संबंध में शिकायतें

807. **श्रीमती रेणुका चौधरी :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार को एसोसिएटेड एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट फाउन्डेशन द्वारा किसानों को घटिया बीज देने से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई हैं ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ; और

(ग) क्या सरकार ने इन आरोपों की जांच की है; यदि हां, तो जांच के परिणामों का ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) जी हां।

(ख) और (ग) इन शिकायतों की जांच की जा रही है।

खाद्यान्न के रख-रखाव और उसके वहन संबंधी समिति

808. **श्रीमती रेणुका चौधरी :** क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय खाद्य निगम ने खाद्यान्न के रख-रखाव और उसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने से संबंधित परिस्थितियों पर विचार करने के लिए एक समिति नियुक्त की थी ;

(ख) क्या समिति ने अपनी रिपोर्ट सरकार को दे दी है ;

(ग) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि उपर्युक्त रिपोर्ट के अनुसार गत चार वर्षों में 18.41 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न रख-रखाव के दोषपूर्ण तरीके के कारण नष्ट हो गया है ;

(घ) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) इस संदर्भ में सरकार द्वारा अब तक क्या प्रभावी कदम उठाए गए हैं ?

संसदीय कार्य मंत्री तथा खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री (श्री एच० के० एल० भगत) : (क) खाद्यान्नों का अनुरक्षण करने तथा उनकी एक स्थान से दूसरे स्थान तक ढुलाई करने से संबंधित शर्तों पर विचार करने मात्र के लिए ही कोई समिति नियुक्त नहीं की गई थी।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

(ग) से (ङ) खाद्यान्नों की हानियां दो शीर्षों अर्थात् (1) भंडारण, और (2) समुद्री मार्ग सहित मार्गस्थ के अन्तर्गत होती है। निगम को पिछले तीन वर्षों के दौरान हुई हानियों का ब्यौरा नीचे दिया जाता है :—

वर्ष	कुल खरीद+ बिक्री	कुल हानि	मूल्य करोड़ रुपये में	हानि की प्रतिशतता
1983–84	319.00	6.74	140.70	2.11
1984–85	295.14	5.72	122.76	1.94
1985–86	368.40	5.95	136.12	1.62
	982.54	18.41	399.58	

वर्ष 1986-87 के लिए लेखों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।